विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

तापमान में बढ़ोतरी का दिखने लगा है खेती किसानी पर नकारात्मक असर

जलवायु परिवर्तन का असर खेती किसानी पर साफ दिखाई देने लगा है। कहा जा रहा था कि 2024 की फरवरी सर्वाधिक गर्मी वाला माह रहा है पर 2025 में जनवरी में जिस तरह से तापमान में बढ़ोतरी देखी गई है और फरवरी में ही देश के अधिकांश हिस्सों खासकर उत्तरी भारत में तापमान में लगातार तेजी देखी जा रही है वह चिंतनीय होती जा रही है। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों में फरवरी में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 30 डिग्री को छूने को बेताब हो रहा है। देश के कई हिस्सों में दिन का तापमान 29 डिग्री को पार कर रहा है। यह कोई हमारे देश के ही हालात नहीं है अपितु दुनिया के अधिकांश देशों में जलवायु परिवर्तन का असर साफ-साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ता तापमान बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण परिस्थिति तंत्र प्रभावित हो रहा है। बीमारियां तो फैल ही रही है संपूर्ण तंत्र पर ही नकारात्मक प्रभाव पड़ता जा रहा है। चिंतनीय यह है कि एक और हम निरंतर घटते भूजल स्तर से प्रभावित हो रहे हैं तो ग्लेसियरों के तेजी से पिघलने का असर दिखाई दे रहा है। असमय अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तूफान, जंगलों में आग आदि आदि सीधा असर दिखाई दे रहा है।

जहां तक खेती-किसानी का प्रश्न है मौसम के अप्रत्याशित बदलाव से फसल चक्र पर नकारात्मक असर दिखने लगा है। फसल वपन का एक सिस्टम होता है। बुआई से लेकर फसल के पक कर तैयार होने का चक्र होता है। दर असल हो यह रहा है कि जिस समय फसल में फल फूल आने का समय होता है उस समय तापमान बढ़ने से फल फूल का विकास रुक जाता है और फसल पकने लगती है, इससे फसल में खराबे और उत्पादन में कमी होना स्वाभाविक हो जाता है। दिसंबर, जनवरी की सर्दी और फरवरी में औसत तापमान से फसलों का सही ढंग से विकास संभव हो पाता है। एक अन्य चिंतनीय कारण यह भी बनता जा रहा है कि मावठ के समय मावठ नहीं होती, सर्दियों की बरसात के समय बरसात नहीं होती और जिस समय तापमान में बढ़ोतरी होनी चाहिए उस समय आंधी, तूफान और बरसात आकर फसल को चौपट करने में कोई कमी नहीं छोड़ती। इसका सीधा-सीधा असर खाद्यान्न संकट के रुप में देखा जा सकता है। प्राय: देखा जाने लगा है कि जब फसल की कटाई का समय होता है उस समय आंधी-तूफान या ओला-बरसात होकर फसल को चौपट करने में कमी नहीं छोड़ती। इसी तरह से जनवरी-फरवरी में जब तापमान में गिरावट की आवश्यकता होती है उस समय तापमान में बढ़ोतरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जलवायु परिवर्तन के हालात यही रहे तो कुछ खाद्य वस्तुओं के भावों में कई गुणा तक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आलू, टमाटर, दालों, तिलहनों और अनाज के भावों में बढ़ोतरी साफ तौर से देखी जा सकती है।

कृषि विज्ञानियों को ऐसी किस्में विकसित करनी होगी जो बदलते मौसम के अनुकूल हो। शुष्क भूमि में खेती की किस्में खोजनी होगी। इसी तरह से कम जल में विकसित होने वाली फसलों की किस्मों पर ध्यान देना होगा। कंजरवेशन खेती को बढ़ावा देना होगा। परंपरागत खेती को चरणवद्ध तरीके से अपनाना होगा। प्रयास यह करना होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसक चक्र के बदलाव के अनुकूल फसलों की किस्में तैयार हो।

कृषि और आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि तापमान की असामयिक उतार-चढ़ाव के चलते कृषि पैदावार पर सीधा-सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कृषि उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि खाद्य वस्तुओं के भाव बढ़ेंगे ही और उसका सीध असर हमें महंगाई के रुप में देखने को मिलेगा। मजे की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया के देशों में तेजी से बंजर होती भूमि को लेकर चिंता तो जताई जा रही है पर अभी तक इन हालातों से निपटने का ठोस आधार तैयार नहीं किया जा सका है। आज दुनिया के देश आसन्न खाद्यान्न संकट को लेकर चिंतित है। इसके लिए बड़े-बड़े सम्मेलनों में चिंतन-मनन हो रहा है। विश्व खाद्य संगठन सहित दुनिया की संस्थाएं इससे आसन्न संकट को लेकर तो परेशान है ही उनकी चिंता का कारण यह भी होता जा रहा है कि पोष्टिक भोजन नहीं मिलने से करोड़ो लोग कुपोषण के शिकार है। खाद्यान्नों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। दुनिया के देश खेती किसानी के महत्व को कोरोना काल में अच्छी तरह से समझ चुके हैं। कोरोना में मानवता को संबल देने में खेती किसानी ने प्रमुख भूमिका निभाई और सबकुछ बंद होने पर खेती किसानी ही लोगों का पेट भरने में सहायक रही।

जलवायु परिवर्तन का असर जब साफ-साफ सामने आने लगा है तो उस हालात में मौसम विज्ञानियों और कृषि विज्ञानियों के सामने बड़ी चुनौती आ गई है। एक और जलवायु परिवर्तन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कारकों का कोई ना कोई विकल्प खोजना ही होगा। होता यह है कि हम जिसे आज बेहतर विकल्प बताते है कुछ समय बाद ही उसमें भी खामियां नजर आने लगती है। जलवायु को नियंत्रित करने वाले जंगलों का स्थान कंक्रिट के जंगल लेते जा रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि इलेक्ट्रानिक उत्पादों व नई-नई खोजों ने हमारा जीवन आसान बनाया है पर उसके साइड इफेक्ट तेजी से असर दिखाने लगे हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने भूमि की उर्वरा शक्ति को प्रभावित किया है। अत्यधिक जल दोहन से भूजल का स्तर साल दर साल नीचे जाता जा रहा है। भू क्षरण होने लगा है। भूमि तेजी से बंजर होती जा रही है।

खैर हालात हमारे सामने हैं। कृषि विज्ञानियों को ऐसी किस्में विकसित करनी होगी जो बदलते मौसम के अनुकूल हो। शुष्क भूमि में खेती की किस्में खोजनी होगी। इसी तरह से कम जल में विकसित होने वाली फसलों की किस्मों पर ध्यान देना होगा। कंजरवेशन खेती को बढावा देना होगा। परंपरागत खेती को चरणवद्ध तरीके से अपनाना होगा। प्रयास यह करना होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसक चक्र के बदलाव के अनुकूल फसलों की किस्में तैयार हो। क्योंकि प्रकृति से छेड़छाड़ करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी और उसका खामियाजा हमें आज भुगतना पड़ रहा है। तेज सर्दी के समय गर्मी से दो चार होना पड़ रहा है। इस सबके साथ ही धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के उपायों पर ध्यान देना होगा। हालात गंभीर चिंतनीय होते जा रहे हैं और यही हालात रहे तो विशेषज्ञ कहने लगे है कि कृषि उत्पादन में कमी का असर सारी दुनिया को भुगतना होगा। हालात और भी गंभीर हो उससे पहले ही ठोस प्रयास करने होंगे। बदलते हालातों में खेती किसानी के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे नहीं तो महंगाई तो एक और है ही दुनिया के कई देशों में भूखमरी के गंभीर हालात होने से कोई नहीं रोक सकेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

महाशिवरात्रि पर डीडवाना में निभाई गई सांप्रदायिक सौहार्द्ध की अनूठी परंपरा

- मुस्लिम समाज ने नाथ महंत का किया अभिनन्दन
- मुस्लिम समुदाय ने नाथजी को श्रीफल भेंट किया
- सदियों से हिन्दू-मुस्लिम समुदाय निभा रहे हैं पौराणिक परंपरा

डीडवाना । दुनियाभर में भारत की पहचान गंगा जमुनी तहजीब की रही है। यहां सदियों से हिंदू मुस्लिम सहित अनेक समुदाय साथ रहते आए हैं। यह भारत का साम्प्रदायिक सोहार्द्ध ही है, जो सभी वर्गों ओर धर्मों को एकसूत्र में बांधे रखता है।

ऐसा ही साम्प्रदायिक सौहार्द्ध ओर हिन्दू मुस्लिम एकता का नजारा आज डीडवाना में देखने को मिला, जब महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर हिन्दू-मुस्लिम समुदाय के लोग गले लगे ओर एक दूसरे का सम्मान किया। राजस्थान में डीडवाना की पहचान सांप्रदायिक सौहार्द्ध वाले शहर के रूप में रही है। डीडवाना शहर अपने आप में गंगा जमुनी तहजीब का एक बड़ा उदाहरण है, यहां दोनों सम्प्रदाय के लोग एक साथ धार्मिक परम्पराएं निभाकर दीपावली, होली, ईद एक साथ मनाते है। महाशिवरात्रि पर भी एक ऐसी अनूठी परम्परा निभाई जाती है, जो दोनों धर्मों के सौहार्द्ध को एक

महाशिवरात्रि पर नाथ सम्प्रदाय के महंत के जुलूस का मुस्लिम इलाकों में स्वागत किया।

डोर में बांधती है। ऐसी ही गंगा जमुनी तहजीब का नजारा आज डीडवाना में फिर से दिखाई दिया। धार्मिक सौहार्द्ध ऐसा की हर कोई एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव। मौका था महाशिवरात्रि का, इस मौके पर हर हर महादेव की गूंज के साथ साथ जोगामंडी धाम के प्रमुख पीर लक्ष्मणनाथ आज सुबह रथ पर सवार होकर गाजे-बाजे एवं जुलूस के साथ नगर भ्रमण के लिए निकले। उनका यह जुलूस सबसे पहलेसैयदों की हताई और काजियों के मौहल्ले में पहुंचा, जहाँ सदियों पुरानी परम्परा के तहत मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नाथजी का स्वागत सत्कार कर उन्हे श्रीफल भेंट किया। डीडवाना में सदियों पूर्व साम्प्रदायिक सद्भावना की जो नींव हिन्दू-मुस्लिम समुदायों के पूर्वजों ने डाली थी, वो आज भी बदस्तूर जारी है। दोनों समुदायों के लोग न केवल इस परम्परा का पौराणिक तरीके से अनुसरण कर रहे हैं, बल्कि देश व दुनिया को भी साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश दे रहे हैं। इस परम्परा के साथ एक खास बात और जुड़ी हुई है, जो सही मायने में साम्प्रदायिक सौहार्द की जड़ो को मजबूत करती है। नाथ सम्प्रदाय के इस जोगा मण्डी धाम में जब भी नाथ मठाधीश की नियुक्ति होती है, तब मुस्लिम समाज उन्हें पगड़ी पहनाता है और माथुर समाज शॉल ओढ़ाता है, तब जाकर नए महंत की नियुक्ति होती है।

जब पूरे देश में साम्प्रदायिक सद्भाव के ताने बाने पर हमले हो रहे हैं, ऐसे दौर में आज भी भारत की गंगा जमुनी तहजीब जिंदा है, जो दुनिया को बताती है कि सभी भारतीय एक हैं, ओर उन नफरतों को भी खारिज करते हैं। यह सद्भाव उन लोगों को करारा जवाब है जो आए दिन समाज मे नफरत फैलाते हैं। डीडवाना कि यह अनूठी परम्परा देश को तोड़ने वाली ताकतो मुंह पर करारा तमाचा है और मिसाल भी है।

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा की तैयारी

भीलवाड़ा । राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा की तैयारी को अंतिम रूप दे दिया गया है। जिले में 51 केंद्रों पर 41,352 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। पहले दिन दो पारी में सुबह 10 से 12.30 व दूसरी पारी दोपहर 3 से 5.30 बजे तक परीक्षा होगी। दूसरे दिन एक पारी में सुबह 10 से 12.30 बजे तक परीक्षा होगी। एग्जाम को लेकर शहर सहित आटून, पालड़ी, आरजिया, अगरपुरा, पांसल, मांडल, सुवाणा के स्कूलों में भी सेंटर बनाये हैं।

खास बात यह है कि इस बार रीट परीक्षा के एडमिट कार्ड में क्यूआर कोड है। इसे स्कैन करते ही अभ्यर्थियों की सारी डिटेल मिल जायेगी। फर्जी अभ्यर्थी पर अंकुश लगाने के लिए पहली बार अभ्यर्थियों का फेस रिकग्निशन होगा। ऐसे में एडमिट कार्ड में अभ्यर्थी की ओर से लगाई गई फोटो का सेंटर पर लाइव फोटो से मिलान नहीं हुआ तो अभ्यर्थी को एंट्री नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही अंगूठे का निशान भी लिया जाएगा। यही नहीं सभी सेंटर सीसीटीवी कैमरों से लैस है। पेपर, सेंटर पर पहुंचने, खोलने और परीक्षा कक्ष तक पहुंचाने की पूरी प्रोसेस की वीडियोग्राफी की जायेगी। इसके साथ ही पेपर को-ऑर्डिनेटर और फ्लाइंग के पास वीडियोग्राफर होगा। परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले परीक्षा केंद्र का गेट बंद कर दिया जाएगा। उसके बाद कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र में प्रवेश पाएगा। रीट का एग्जाम देने वाले अभ्यर्थी रोडवेज बसों में फ्री सफर कर सकेंगे। इस बार पात्रता परीक्षा में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को राज्य सरकार की ओर से परीक्षा से 2 दिन पहले और 2 दिन बाद फ्री यात्रा की सुविधा दी गई है। इसके लिए अभ्यर्थियों को अपना एडमिट कार्ड दिखाना होगा। अगर किसी अभ्यर्थी की परीक्षा 27 फरवरी की है तो वह 25 फरवरी से 1 मार्च तक रोडवेज बसों में फ्री सफर कर सकेगा। वहीं, अगर किसी अभ्यर्थी की परीक्षा 28 फरवरी की है तो वह 26 फरवरी से 2 मार्च तक रोडवेज बसों में फ्री सफर कर सकेगा। अभ्यर्थियों को यह सुविधा रोडवेज की ब्लू लाइन बसों में ही दी जाएगी।

251 महाकुंभ कलश यात्रा निकाली

भीलवाड़ा। महाशिवरात्रि पर्व पर कोली समाज विकास ट्रस्ट भीलवाड़ा के तत्वाधान में आयोजित किए गए श्री बदलेश्वर महादेव मंदिर सप्तम पाटोंत्सव एवं कुंभ कलश यात्रा एवं महिला जागृति सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन ने कहा कि सनातन धर्म ही धर्म ये विश्व में भारत की पहचान है बाकी पंथ धर्म सब सनातन से निकले है।

महामंडलेश्वर हंसराम कहा कि अब महिलाओं को आधुनिक युग में अपने हक अधिकारों के तकनीकी को सहयोगी बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। महिलाओं को संतानों को अच्छे संस्कार देकर अच्छी परवरिश करनी चाहिए । कार्यक्रम में जवाहर फाउंडेशन के लोकेंद्र सिंह ने बोलते हुए जवाहर फाउंडेशन के मानव हितार्थ हो रहे कार्यक्रम स्वाभिमान भोजन, महिला सम्मान स्वास्थ्य कार्यक्रम अजमेर भीलवाड़ा बांसवाड़ा आदि शहर में एल एन जे ग्रुप और जवाहर फाउंडेशन की और चलाए जाने की जानकारी दी । माली समाज के महासचिव और पत्रकार गोपाल माली ने महिलाओं को सजक रह कर परिवार को एक जूठ और संस्कार वान बनाने का आवाहन किया । महाकुंभ कलश यात्रा को सुबह 9.15 बजे पंचमुखी दरबार महंत लक्ष्मण दास त्यागी, खटीक समाज के शहर अध्यक्ष एवं पार्षद वार्ड नंबर 51 रमेश चंद खाईवाल, पार्षद और समाज सेवी वार्ड नंबर 52 सत्य नारायण खोईवाल और समाज के पंच चुन्नीलाल, जिला अध्यक्ष बालू लाल अध्यक्ष ओम प्रकाश, पंडित मोहन लाल बोथेडिया पंडित डालचंद , रूपलाल भेरू लाल लोरवाडिया आदि ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया । हरि झंडी दिखाने से पूर्व ठाकुर जी महाराज के बेवानं को श्री महावीर व्यायाम शाला अखाड़ा के पहलवान फतह लाल फतेहपुरिया के सर धारण करवाया । साथ की संतो और पंचों ने महाकुंभ शगुन कलश को पार्षद प्रत्याशी रही अंजना खेमचंद सुवालिया के माथे पर धारण करवाया । महाकुंभ कलश यात्रा दादाबाडी शीतला माता मंदिर से कोली मोहल्ला पंचायत भवन, शहीद चौक, झलकारी बाई सर्किल, पेट्रोल पंप होते हुए बढलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां पंडित रामचंद्र मंडिया द्वारा आरती करके कुंभ कलश धारण करने वाली महिलाओं ने प्रयागराज त्रिवेणी संगम जल से बढलेश्वर शिवलिंग का अभिषेक करवाया । कोषाध्यक्ष महेंद्र गेंडावध ने बताया कि अतिथियों का मारवाड़ी साफा बंधवाकर सम्मान किया गया। सचिव मुरलीधर लोरवाडिया ने बताया कि कार्यक्रम में भामाशाहों के सहयोग से वर्तानुसार प्रसाद की व्यवस्था की गई। समाज अध्यक्ष ओम प्रकाश सुनारिया कार्यक्रम में आगामी भादवा माह छट को सौर वर्ष पुराने देवालय देव नारायण मंदिर पर कलश चढ़ाने और शिव परिवार स्थापित करने की घोषणा की है जिसमें देव नारायण मंदिर के 56 सालों से सेवा पूजा कर रहे सेवक राम लाल तलाया ने 2.51 लाख रूपये नकद देने की घोषणा की। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष महेंद्र मोती सिंह मंडिया डालचंद , देवीलाल , हरि नारायण, सुनील सोनू मोती लाल आमेरिया, सोहन लाल राकेश धर्मराज बाबू लाल, सेवंती, विशाल, मोहित, हेमलता लक्ष्मी नारायण केसरी मल मोहन लाल रुवासिया आदि समाज बंधु उपस्थिति थे।

माली सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर गणेश स्थापना

परबतसर, (निस) । माली, सैनी समाज के द्वारा आगामी फुलेरिया दूज को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर उपखंड क्षैत्र के ग्राम बड़ू में छह गांव परबतसर, मकराना, बिदियाद,बोरावड, बड़ू, कालवा माली सैनी समाज सामूहिक विवाह समिति कि बैठक त्रिमूर्ति बालाजी मंदिर परिसर मे अध्यक्ष सत्यनारायण सिंगोंदिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई।इसी दौरान आचार्य पंडित विमल पारीक ने विधिवत विधी विधान से मंत्रोच्चार के साथ विनायक पूजन करवाकर गणेश स्थापना करवाई गई।

- 19 जोड़ो ने एक साथ गणेश पूजन कर सामूहिक विवाह की शुरुआत की

जिसके मुख्य यजमान नाथूलाल, केशरीमल, नवरतन टांक थे। आयोजित विनायक पूजन मे सम्मिलित वर-वधु सहित उनके माता पिता और समाज के सैकड़ो लोग भामाशाह सूरत के व्यापारी समाज सेवी भकरी निवासी श्यामसुन्दर सोलंकी कि अगुवाई मे गाजो बाजो के साथ प्रेमदास कि बगीची से त्रिमूर्ति बालाजी मंदिर पहुंचे बैठक में समाज सेवी वयोवृद्ध प्रेमराज सोलंकी ने कहा कि समाज को एकजुट होकर ज्यादा से ज्यादा सामूहिक विवाह करवाने के लिए प्रचार प्रसार करने के लिए प्रेरित किया जावे और समाज मे बढ रही कुरूतियो पर लगाम लगावे साथ हि आज के इस युग मे आर्थिक स्थिति से सुदृढ रहने के लिए सामुहिक विवाह मे अपने बालिक बालक बालिकाओ को ज्यादा से ज्यादा विवाह करवायें । इसी के साथ सामूहिक विवाह सम्मेलन में 19 जोड़ों का पंजीयन कर गणेश पूजन करवाया गया। साथ विवाह मे शामिल होने वाले सभी जोड़ों को एक एक आलमारी भेंट करने की घोषणा श्यामसुन्दर सोलंकी भकरी के द्वारा की गई। सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर वधु को उपहार देने वालों ने फ्रीज़ विजय बनसटिया अजमेर अल ई डी - , नाथूलाल, मेटल टूल्स जयपुर नवरतमल पुत्र कन्हैयालाल टाक लाडनूं ,मनु मेटल टूल्स जयपुर, आलमारी श्याम सोलंकी भकरी , कूलर सुरेश गहलोत सरपंच, ओमप्रकाश गहलोत , पुखराज जी गहलोत बड़ू, सिलाई मशीन गोरधनराम सिंगोदिया बाग बैरा बड़ू, मिक्सी अर्जुन राम टीकमचंद शिवराम गहलोत पिपलिया बेरा बड़ू श्री रानाबाई कैंटीन सूरत निवासी बड़ू , छत पंखा सुगनाराम - नोरतमल मारोठिया भाकरी (इमरती की ढाणी), गेस चूल्हाओमप्रकाश पुत्र रामकरण कच्छावा हरसौर, 2 कुर्सी सेट और एक फ्रेश बाबूलाल जी कैलाश जी दगदी गूलर , स्टील टंकी 20 पुखराज जी पुत्र शंकरलाल खारोलिया इंदौर, प्रत्येक जोड़े को डबल बैड ब्लैकेट तनसुख जी सैनी / स्वर्गीय छोटूराम सैनी निवासी नांवा शहर, पानी का कैन 20 लिटर कस्तूरमल - महेन्द्र सिंगोदिया गैंडा कला,बाथरूम सेट विष्णु दत्त टाक परबतसर और डॉ. रामस्वरूप तुन्दवाल कालवा, गर्म खाने का टिफिन महेन्द्र कुमार - अमित कुमार मारोठिया ग्वालियर वाले बिदियाद,मार्बल का चकला बेलन रामादेवी / स्व श्री रामबल्लभ उबाणा आकाशिया बेरा बिदियाद,दिवार घडी हीरालाल सोलंकी बंगला वाले मकराना , दिवार घडी भागचंद टाक बोरावड ,मार्बल घडी बाबूलाल जी उबाना अगुणा बास बिदियाद, गर्म खाना का टिफिन गोविन्द राम गहलोत पिपलिया बेरा बड़ू ,गर्म पानी की केतली ओमप्रकाश पुत्र लिखमाराम सिंगोदीया नदी बेरा बड़ू सहित कई लोगो ने बढचढकर वर वधु को दिल खोल कर उपहार दिया है। पदाधिकारियों को प्रचार सामग्री का वितरण किया। आयोजित समिति कि बैठक में संरक्षक ठेकेदार सेवाराम दगदी, राम प्रसाद तंवर महिला संरक्षक गीता सोलंकी परबतसर माली समाज अध्यक्ष सत्यनारायण मालाकार, मकराना अध्यक्ष श्रवणलाल सोलंकी, बिदियाद अध्यक्ष कैलाशचंद तंवर, कालवा अध्यक्ष सुखदेव बागड़ी बड़ू अध्यक्ष नारायणराम गहलोत, बोरावड उपाध्यक्ष प्रकाश सोनगरा, उपाध्यक्ष गणपतलाल सोलंकी, महासचिव मनोज सैनी, बड़ सरपंच सुरेश माली, महिला मंडल महासचिव शयामाराणी सिंगोदिया, एडवोकेट गणपतलाल टांक, भोमा राम सोलंकी भकरी समिति के प्रवक्ता नौरतमल सिंगोंदिया समाज सेवी ओमप्रकाश सोलंकी बोरावड सहित कई गांवों से आए सैंकड़ो समाज के लोग उपस्थित रहे।

राशिफल गुरूवार 27 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, धनिष्ठा नक्षत्र दिन 6:44 तक, शिव योग रात्रि 11:41 तक, शकुनि करण प्रात: 8:55 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज बुध मीन राशि में रात्रि 11:46 पर प्रवेश करेगा। आज पंचक, देवपितृकार्य अमावस्या, शिव खप्पर पूजा, मन्वादि है। आज अमावस्या तिथि का क्षय हुआ है। आज माघी मासम है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:25 तक, चर 11:14 से 12:40 तक, लाभ-अमृत 12:40 से 3:31 तक, शुभ 5:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:57, सूर्यास्त 6:23

मेष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

तत्कालेश्वर महादेव मंदिर से बाबा महाकाल नगर भ्रमण के लिए शाही लवाजमे के साथ निकले

केकडी (निस) । महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को शहर के पुरानी तहसील परिसर में तत्कालेश्वर महादेव मंदिर में विराजित बाबा महाकाल नगर भ्रमण के लिए अपने शाही लवाजमे के साथ निकले। इस मौके पर महाकाल सेवक समिति के द्वारा भव्य शाही सवारी निकाली गयी। शिवरात्रि के अवसर पर सुबह पूजा अर्चना के पश्चात 10.15 बजे बाबा महाकाल की मनमहेश प्रतिमा को पालकी में विराजित कर हाथो में पालकी उठाकर सेवक बाबा महाकाल को नगर भ्रमण के लिए लेकर निकले।

शाही सवारी शहर के मार्गो से होकर गुजरी तो पूरा माहौल भक्तिमय हो गया तथा गुलाल अबीर व फूलो से सडके सरोबार हो गयी। डेढ किलोमीटर लम्बे शाही सवारी के लवाजमे के दौरान डीजे की धून पर बजते महाकाल के भजनो पर भक्तगण नाचते गाते हुए शिव भक्ति में लीन होकर चल रहे थे। शाही सवारी के आगे समिति के सेवक बाबा महाकाल की शाही सवारी निकाले जाने का उदघोष

शाही सवारी के दौरान शिव भक्ति में लीन नजर आए श्रद्धालु, डेढ़ किलोमीटर लम्बे शाही लवाजमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

करते हुए चल रहे थे वहीं पीछे पीछे बैण्ड बाजो व डीजे की धून पर नाचते गाते हुए श्रद्धालु महिला पुरूष शिव भक्ति में लीन होकर चल रहे थे। इस मौके पर शाही सवारी में 50 फीट लम्बे नंदी पर विराजित होकर महादेव व पार्वती का वेश धारण कर कलाकार महाबली हनुमान व महाबली शंकर चल रहे थे जो आकर्षण का केन्द्र रहे। शाही सवार में उज्जेन के 25 सदस्य अगौरी दल ने जगह जगह पर शिव ताण्डव, शिव विवाह, भस्म आरती सहित अनेक शिव विवाह से सम्बन्धित प्रसंगो का जीवन्त संगीत के बीच मंचन किया जिसको देखने के लिए श्रद्धालुओ की भारी भीड उमडी नजर आयी वहीं महाकाल सेवक समिति के सेवक गुलाल अबीर व फूलो की वर्षा करते हुए तथा शंख, मजीरा, ढो ताशे बजाते हुए शाही सवारी में शामिल हुए। शाही सवारी के आखिर बाबा महाकाल की मनमहेश प्रतिमा को पालकी में विराजित कर सेवक अपने कंधो पर पालकी को लेकर चल रहे थे। इस दौरान शहर के प्रमुख मंदिरो के बाहर बाबा महाकाल की आरती की गई। घण्टाघर पर बाबा महाकाल की शाही सवारी में शामिल होते हुए विधायक शत्रुघ्न गौतम ने पालकी उठाई तथा महादेव की आरती में शामिल हुए। शाही सवारी के दौरान शहर में जगह जगह पर धार्मिक, सामाजिक व व्यापारिक संगठनो ने स्वागत द्वार बनाकर शाही सवारी का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया तथा सेवको के लिए जलपान की व्यवस्था की। शाही सवारी बस स्टेण्ड स्थित तत्कालेश्वर महादेव मंदिर से प्रारम्भ होकर पुलिस थाने के बाहर, तीन बत्ती चौराहा, अजमेरी गेट, घण्टाघर, सदर बाजार, खिडकी गेट, लोढा चौक, चारभुजा मंदिर, माणक चौक, सूरजपोल गेट, हरिजन बस्ती, भैरू गेट, बडा गुवाडा, सरसडी गेट, बस स्टेण्ड, अजमेर रोड, बीजासण माता मंदिर, चौपाटी होते हुए वापस तत्कालेश्वर महादेव मंदिर पहुंची पर बाबा महाकाल की भव्य आरती कर बाबा महाकाल की मनमहेश प्रतिमा को नवनिर्मित मंदिर में विराजित किया गया। नवनिर्मित मंदिर में विराजित हुए बाबा महाकाल, मंदिरो के शिखरो स्थापित किए कलश- महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा महाकाल की मनमहेश प्रतिमा को नवनिर्मित मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के बाद विराजित किया गया वहीं इस मौके पर तत्कालेश्वर महादेव मंदिर, बालाजी मंदिर व महाकाल मंदिर के शिखर शिखर पर प्रात: पूजा अर्चना के बाद कलश स्थापित किए गए। तत्कालेश्वर महादेव मंदिर में धर्मावलम्बी संजय खण्डेवाल द्वारा, बालाजी मंदिर में पार्षद लोकेश साहू व महाकाल बाबा में गुप्त सज्जन के द्वारा बोली छुडायी जाने पर मंदिर पुजारी द्वारा कलश की स्थापना की गई। इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरूष मौजूद रहे।